अहमदाबाद से प्रकाशित पाक्षिक R.N.I. No. 54975 /1994
Published on 15th & 30th of Every Month
Permited to post on 3rd & 17th every Month at A'bad PSO under postal Reg. No.
GAMC No. 1488/2017 - 2019 - Valid 2017 up to 31-12-2019

Website - http://www.sindhibandhu.com

सिन्धी बन्धु

We are available at

गुजरात से सर्वप्रथम प्रकाशित हिन्दी पाक्षिक पत्रिका

E-mail: sindhibandhu@yahoo.in

E-mail: sindhibandhu@gmail.com

अधिष्ठापक तंत्री - हरिश भागवाणी

वर्ष *25 अंक 02 * दिनांक 15-06-2018 * संपादक: रेशमा भागवाणी : सहसंपादक - निर्मल भागवाणी : पृष्ठ : 4 * किंमत-1.00 * फोन-22822205 मो.:9429518141

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया

शंघाई समिट: हम पड़ोसियों से संपर्क बढ़ाना चाहते हैं, एससीओ क्षेत्र हमारी प्राथमिकता- मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट के दूसरे दिन वेलकम सेरेमनी में हिस्सा लेने पहुंचे। वे यहां लगातार दूसरे दिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले। दोनों नेताओं ने साथ में हाथ मिलाते हुए फोटो भी खिंचाई। इसके बाद एससीओ के सभी 8 सदस्य देश के नेताओं ने सामूहिक फोटो में हिस्सा लिया। जिनपिंग ने सीमित सत्र से पहले बाकी नेताओं को भोज भी दिया। मोदी ने प्लेनरी सेशन में कहा कि भारत में केवल 6% पर्यटक ही एससीओ देशों से आते हैं। इसे बढ़ाया जा सकता है। इसमें सभी नेता साथ में समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे और ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

अफगानिस्तान आतंक के प्रभाव का दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण

- मोदी ने प्लेनरी सेशन में कहा, "अफगानिस्तान आतंक के प्रभाव का एक दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है।'
- "भारत आने वाले पर्यटकों में एससीओ देशों के महज छह फीसदी हैं। इन्हें आसानी से दोगुना किया जा सकता है। हमारी संस्कृतियों के प्रति जागरुकता बढ़ाकर यह संख्या बढ़ाई जा सकती है।'
- "हम भारत में एससीओ का एक फूड फेस्टिवल और बुद्ध फेस्टिवल आयोजित करेंगे। हम फिर एक मंच पर पहुंचे हैं जहां भौतिक और डिजिटल संपर्क भौगोलिक परिभाषा को बदल रहा है। इसलिए एससीओ क्षेत्र में पड़ोसियों से संपर्क हमारी प्राथमिकता है।'

चीन के साथ हुए दो अहम समझौते

- इससे पहले शनिवार को ही मोदी ने शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बातचीत की थी। पिछले दो महीनों में ये दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात है। दोनों देशों के बीच ब्रह्मपुत्र और खेती को लेकर दो अहम समझौते हुए हैं। करार के तहत चीन ब्रह्मपुत्र का पानी छोड़ने से पहले भारत को सूचना देगा। चीन ने भारत से बासमति के अलावा दूसरे किस्म के चावल खरीदने पर भी सहमति जताई है।

2019 में भारत की यात्रा करेंगे जिनपिंग

- विदेश सचिव विजय गोखले ने बताया कि जिनपिंग ने मोदी आमंत्रण स्वीकार किया है। वे 2019 में भारत आएंगे।
- गोखले के मुताबिक, "जिनपिंग ने इस समिट को काफी सकारात्मक बताया। उन्होंने हमारे द्विपक्षीय संबंधों में इस समिट को नई शुरुआत करार दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों के रिश्ते के लिए मील का पत्थर बताया।"
- उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच पीपुल टू पीपुल तंत्र बनाया जाएगा। भारत की ओर से विदेश मंत्रालय इसकी अगुआई करेगा। वहीं, चीन की ओर से विदेश मंत्री वांग यी इसकी देखरेख करेंगे। इसकी पहली बैठक इसी साल होगी।- द्विपक्षीय वार्ता से पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुरानी मुलाकातों का एलबम मोदी को दिखाया।

चीन के टियर-2 शहर किंगदाओ में हो रही एससीओ समिट

- 18वां शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) सम्मेलन चीन के तटीय शहर किंगदाओ में हो रहा है। यह शानडांग राज्य में है। चीन का यह पर्यटन शहर सेलिंग सिटी के नाम से भी मशहूर है। शहर की जनसंख्या करीब 10 लाख है।
- किंगदाओ पोर्ट से 1 मिनट में औसतन 2.3 टन सी-फूड, 970 टन सामान दुनिया को भेजा जाता है।
- चीन दुनिया की दूसरी बड़ी इकोनॉमी है। चीन की जीडीपी 951.21 लाख करोड़ रुपए है। इसमें क्विंगदाओ शहर प्रति मिनट करीब 2.20 करोड़ रुपए का योगदान करता है।
- 3 साल पहले तक चीन में होने वाले सभी बड़े सम्मेलन टॉप-4 शहर बीजिंग,शंघाई, ग्वांगझू, शेनजेन में ही होते थे।
- कुछ साल से चीन दूसरे दर्जे के शहरों में बड़े सम्मेलन करवा रहा है। वह दुनिया को शहरी विकास दिखाना चाहता है।
- 2016 में जी-20 समिट हांगझोऊ, 2017 में ब्रिक्स समिट शियामेन में हुए थे। अब एससीओ किंगदाओ में हो रहा है।
- किंगदाओ में तीन हजार पत्रकार आए हैं। 10 यूनिवर्सिटी के 2 हजार स्टूडेंट्स और 18 हजार वॉलंटियर स्वागत में लगे हैं।

जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने मुठभेड़ में 6 आतंकियों को मार गिराया

जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में एलओसी के करीब सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए 6 आतंकियों को मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। इस कार्रवाई में अब तक सेना को को नुकसान की खबर नही है।

संघर्षविराम के दौरान तेज हो गईं घुसपैठ की कोशिशें

- बता दें कि इससे पहले गुरुवार को इसी इलाके में आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। हालांकि, सेना ने उस कोशिश को नाकाम कर दिया था।
- इसके अलावा बुधवार को भी सीमापार से भारत आने की कोशिश कर रहे तीन आतंकियों को सेना ने मार गिराया था। केंद्र ने रमजान के दौरान जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों के सर्च ऑपरेशन पर रोक लगाई है। इसके बाद से लगातार घुसपैठ की कोशिश हो रही है।
- गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि 4 साल के कार्यकाल में सुरक्षाबलों ने 619 आतंकियों को मार गिराया।

सिंधी समाज का नाम श्री नितेश तेहलरामानी को आर्मी में मेजर बनाया गया

सूरत के नितीश तेहलरामानी को आर्मी मेजर बनाया गया, पूरे भारत के सिंधी समाज को इस पर गर्व है, नितेश के गुरु वा माता-पिता को सिंधी बंधू और समस्त सिंधी समाज के तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं

16 जून शनिवार के दिन ठक्करबापानगर पूज बहरानासाहेब का आयोजन

ता. 16 जून शनिवार के दिन ठक्करबापानगर, साईं आसनलाल जूलेलाल मंदिर शाम को 7 बजे साईं ठाकुर मनीष भरूच वाले का पूज बहराना साहेब रखा गया है.

एग्जाम में सिर्फ 1 नंबर कटने पर बोर्ड को चैलेंज करने वाले स्टूडेंट का मैसेज- लक्ष्य को ना भूलो

बेलगावी. एक नंबर यूं तो बहुत ज्यादा नहीं होता लेकिन ये 1 नंबर किसी स्टूडेंट की जिंदगी भी बदल सकता है और इस बात को कर्नाटक के रहने वाले मोहम्मद कैफ मुल्ला से ज्यादा अच्छे से कोई नहीं समझ सकता। बेलगावी के सेंट जेवियर हाईस्कूल में पढ़ने वाले कैफ को इस साल हुए 10th बोर्ड के एग्जाम में 625 में से 624 नंबर मिले थे। सिर्फ एक नंबर कटने की वजह से उन्हें एक अन्य स्टूडेंट के साथ टॉपर की पोजिशन बांटना पड़ी थी। इसी वजह से उन्होंने उस नंबर की वैल्यू को समझा और रीचेकिंग के लिए एप्लाइ कर दिया। कैफ को मिले 100% नंबर...

- साइंज सब्जेक्ट को छोड़ कैफ को हर सब्जेक्ट में 100 में से 100 नंबर मिले थे। लेकिन उन्हें यकीन था कि उनका 1 नंबर भी नहीं काटा जा सकता।
- कैफ को खुद पर इतना भरोसा था कि उन्होंने कॉपी की दोबारा जांच के लिए फॉर्म भरा और कटे हुए उस एक नंबर को भी हासिल कर लिया। इस बढ़े हुए 1 नंबर के साथ ही वे 13 लाख स्टूडेंट्स के बीच स्टेट टॉपर बन गए।
- एक नंबर बढ़ने के बाद उनके 625 में से 625 नंबर हो गए। यानी उन्हें 100% मार्क्स मिले।
- कैफ एक मिडिल क्लास फैमिली बैकग्राउंड से आते हैं। उनके पिता हारुन रशिद मुल्ला गवर्नमेंट हाईस्कूल में कन्नड टीचर हैं। वहीं उनकी मां परवीन मुल्ला भी गवर्नमेंट स्कूल में उर्दू टीचर हैं।
- मोहम्मद कैफ ने 11वीं क्लास में साइंस सब्जेक्ट लेने का फैसला किया है और आगे चलकर वे सिविल सर्विसेस में जाना चाहते हैं।

कैफ ने जूनियर्स के लिए कही ये बात

- नंबर बढ़ने के बाद कैफ ने एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मुझे 100 पर्सेंट नंबर लाने का भरोसा था, क्योंकि पेपर देने के बाद मैंने अपने जवाबों को टीचर्स, नोटबुक और मॉडल आंसर शीट से मिलाया था। किस्मत की बात है कि मेरे सारे जवाब सही थे। पहले मुझे 624 नंबर (99.84%) मिले थे, लेकिन कॉपी रीचेक होने के बाद मेरा रिजल्ट उम्मीद के अनुसार रहा।'
- इसके अलावा कैफ ने कहा, '624 नंबर मेरे लिए कम थे क्योंकि मैंने ज्यादा की उम्मीद की थी। मैं अपने अभिभावक, अध्यापक और सभी रिश्तेदारों का शुक्रगुजार हूं। मैं अपने जूनियर्स से केहना चाहता हूं कि पहले अपने सपने को समझें और फिर उस पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करें।'

संपादकीय

देश में यूरिया के लिए थम गए आंदोलन, कभी बम बनाने में भी इसका इस्तेमाल होता था

यूरिया से फसल और जमीन को होने वाले नुकसान को लेकर किसानों में जागरुकता आई है। 2012 से 2016 के बीच यूरिया की बिक्री 30 से 30.6 मिलियन टन के बीच रही। इस साल ये घटकर 28 टन हो गई है। हालांकि, ये मामूली आंकड़ा है। इसके अलावा मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू करने के चलते यूरिया की खपत में गिरावट आई है। इस योजना के तहत मिट्टी में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) स्तर को 4:2:1 पर लाना है। प्रधानमंत्री ने 2022 तक यूरिया के इस्तेमाल को आधा करने को कहा है।

यूरिया का आयात 1 साल में 7.25% घटा

- यूरिया की मांग 320 लाख टन है
- 50-70 लाख टन हर साल आयात करना होता है
- 226 लाख टन घरेलू उत्पादन
- 135 टन इस साल उत्पादन रहा
- 140 टन पिछले साल था
- 16 हजार रुपए प्रति टन उत्पादन पर खर्च होते हैं
- 5,360 रुपए प्रति टन कीमत पर बेचा जाता है
- 7.25% यूरिया का आयात कम हुआ
- पिछले साल 40 लाख टन आयात
- इस साल 37.10 लाख टन आयात

कैसे पूरी हुई कमी ?

इसके तीन बड़े कारण हैं - नीम कोटिंग, छोटे बैग और पुराने प्लांट दोबारा शुरू करना।

1) छोटे बैग

पहले किसानों को 50 किलो के बैग में यूरिया मिलती थी। अप्रैल 2018 से सरकार ने 45 किलो के बैग बनाने शुरू कर दिए हैं। ये इसलिए कारगर रहा क्योंकि किसान वजन से यूरिया का इस्तेमाल नहीं करते हैं। हर साल इससे 7,000 करोड़ रुपए की बचत होगी।

2) नीम कोटिंग

- यूरिया के इस्तेमाल को कम करने के लिए दो प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं- एसएचसी और एनसीयू।
- एनसीयू 2008 से शुरू किया गया। तब 20% यूरिया को ही नीम कोटेड करने की अनुमति थी। 2010 में इसे बढ़ाकर 35% किया और 2015 में 100% कर दिया गया।
- इसमें एक टन यूरिया को 400 एमएल नीम तेल से कोटिंग की जाती है। जरूरी फर्टिलाइजर के कंपोजिशन को नीम कोटिंग देकर बदला गया है। सभी फर्टिलाइजर आउटलेट्स के लिए अब नीम कोटेड यूरिया बेचना अनिवार्य है।

इसका फायदा

- नीम कोटिंग से गैर कृषि कार्यों में यूरिया का उपयोग नहीं हो पाता। गलत इस्तेमाल रुक जाता है। वरना इसे विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। मिट्टी को ज्यादा पोषण मिलता है। पौधे को लंबे समय तक पोषण मिलता है। बार-बार फर्टिलाइजर के इस्तेमाल की जरूरत नहीं होती। पैदावार बढ़ती है और पैसे की भी बचत होती है। यूरिया की लाइफ बढ़ती है।

बम बनाने में होता था इस्तेमाल, नीम कोटेड होने से यह बंद हुआ

नॉर्थ ईस्ट में कई बार बम बनाने के लिए यूरिया के इस्तेमाल की बात सामने आई है। कई बार बम बनाने वाली जगहों से यूरिया बरामद भी की गई। या तो इसे विस्फोटक की तरह इस्तेमाल करने के लिए कैमिकल्स में मिलाया जाता है या फिर आरडीएक्स और टीएनटी की तीव्रता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

3) चार प्लांट दोबारा शुरू किए जाएंगे

- सरकार ने यूरिया के चार प्लांट को दोबारा शुरू करने का फैसला किया है। इनमें गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), बरौनी (बिहार), तलचर (ओडिशा) और रामागुनदम (तेलंगाना) प्रमुख हैं। यूरिया प्लांट्स को फिर शुरू करने के लिए सरकार ने गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए दिए हैं।
- न्यू इन्वेस्टमेंट पॉलिसी के तहत पश्चिम बंगाल के पानागढ़ में ग्रीनफील्ड अमोनिया यूरिया कॉम्प्लेक्स तैयार किया गया है। जिसकी क्षमता 1.3 एमएमटी सालाना है। 1 अक्टूबर 2017 से उत्पादन शुरू हो चुका है। सब्सिडी के लिए यूनिट को अपनी क्षमता का 50% इस्तेमाल करना जरूरी है और एसएसपी यूनिट के लिए 40 हजार एमटी प्रोडक्शन जरूरी है।
- चार प्लांट शुरू हुए तो, 5 साल में आयात बंद कर देंगे, 10 साल में निर्यात करने लगेंगे।

युवा ऊर्जा से बदलता देश

स्कूली शिक्षा में अभूतपूर्व सुधार और इनोवेशन पर जोर।

7 आईआईटी, 7 आईआईएम, 14 आईआईआईटी और कई नए विश्वविद्यालयों के साथ उच्च शिक्षा में नए अवसर।

स्किल इंडिया के माध्यम से 1 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण।

पब्लिक, प्राइवेट और पर्सनल सेक्टर में विभिन्न तरीकों से युवाओं को आगे बढ़ने के मजबूत अवसर।

खेलो इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को 8 वर्ष के लिए प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये की सहायता।

बदलता जीवन संवरता कल

जन-धन योजना के जरिए बैंकिंग सुविधा से वंचित गरीबों की बैंकिंग जरूरतें और 'जन सुरक्षा' के माध्यम से गरीब को बीमा मिला।

उज्ज्वला योजना से 3.8 करोड़ गरीब महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन दिए गए। लक्ष्य को बढ़ाकर 8 करोड़ किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन में 7.25 करोड़ से भी अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया।

1 करोड़ से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर।

देश के किसी भी गाँव में अब अँधेरा नहीं है, सौभाग्य योजना के जरिए 4 करोड़ घरों में बिजली पहुँचाई जा रही है।

तेज हुई तरक्की की रफ़्तार

पिछले 4 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक गरीबों को मिले घर।

पिछले 4 वर्षों में 1.69 लाख किमी से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण

2017-18 में 134 किमी प्रतिदिन सड़क का निर्माण किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति पिछली सरकार के 12 किमी प्रतिदिन की तुलना में बढ़कर 27 किमी प्रतिदिन हुई।

2017-18 रहा रेल सुरक्षा की दृष्टि से सबसे अच्छा साल। पिछले 4 वर्षों में 5,469 मानवरहित रेलवे क्रासिंग को समाप्त किया गया।

भारत में पहली बार एसी ट्रेनों की तुलना में हवाई जहाज से सफर करने वालों की संख्या बढ़ी।

पिछड़े वर्गों की अपनी सरकार

अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए 95,000 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट।

शिक्षा के माध्यम से समाज का सशक्तिकरण पिछड़ी जाती के छात्रों को विभिन्न छात्रवृति योजनाओं द्वारा प्रोत्साहन।

एससी/एसटी एट्रोसिटी एक्ट को और मजबूत बनाया गया।

मुद्रा के अंतर्गत 50 प्रतिशत से अधिक लोन पिछड़े वर्गों को।

बाबा साहेब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थ के विकास से युवा पीढ़ी को उनसे जोड़ने का प्रयास।

किसान की संपन्नता हमारी प्राथमिकता

किसान की आय दोगुनी करने के लिए बहुआयामी प्रयास

किसान को उसकी लागत का 1.5 गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य

12.5 करोड़ से अधिक किसानों को मिले सॉयल हेल्थ कार्ड

ई-नाम के द्वारा किसानों को मिल रहा फसल का बेहतर दाम

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को फसल का कम दाम में बेहतर सुरक्षा कवच

तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था

भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली विशाल अर्थव्यवस्था।

FDI में भारी वृद्धि, 36.5 बिलियन डॉलर से बढ़कर 60 बिलियन डॉलर

विश्व भर की रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत को लगातार अच्छी रेटिंग

जीएसटी से कारोबार हो रहा आसान।

बैंकिंग सुधारों से अर्थव्यवस्था को मिल रहा बल।

भ्रष्टाचार पर लगाम पारदर्शी हर काम

नोटबंदी से अब तक सबसे ज्यादा काले धन का पर्दाफाश।

मॉरिशस, सायप्रस, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर से काले धन की रोकथाम के लिए संधियां।

आर्थिक भगोड़ों की सम्पत्तियाँ जब्त की जा रही हैं और भगोड़ा आर्थिक अपराधी विधेयक पेश किया गया।

बेनामी संपती एक्ट से काले धन के कारोबार पर लगाम।

PMLA एक्ट में बदलाव द्वारा विदेशों में जमा काले धन के बराबर संपती जब्त करना हुआ मुमकिन।

अच्छा स्वास्थ्य अब सबका अधिकार

आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा पहल, करीब 50 करोड़ लोगों को इससे प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का हेल्थ कवरेज मिलेगा।

मिशन इंद्रधनुष में 3.15 करोड़ बच्चों को टीके और 80.63 लाख गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण।

प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्रों में 3,000 से अधिक स्टोरों पर जरूरी दवाएं लगभग 50 प्रतिशत कम दामों पर उपलब्ध।

स्टेंट और घुटनों के प्रत्यारोपण की कीमतों में 50 से 70 प्रतिशत की कमी।

विकास की नई गति, नए आयाम

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण इलाकों में करीब 1 करोड़ मकानों का निर्माण।

100 शहरी केन्द्रों का स्मार्ट सिटी के रूप में चयन और विभिन्न योजनाओं पर 2,01,979 करोड़ रुपये खर्च।

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत देश में सड़कों के बहुत बड़े जाल का लक्ष्य, 5,35,000 करोड़ रुपये का नया कार्यक्रम और राष्ट्रीय राजमार्गों को रेलवे लेवल क्रॉसिंग से मुक्त करने का लक्ष्य।

चारधाम महामार्ग, 12,000 करोड़ की लागत से लगभग 900 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास।

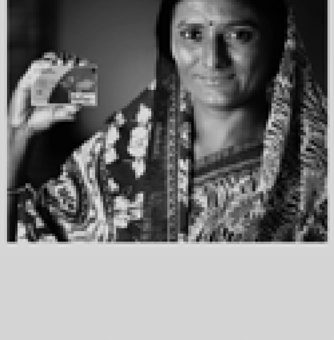

नारी शक्ति देश की तरक्की

माँ और शिशु के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिए विभिन्न योजनाएं।

प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 1.26 करोड़ बालिकाओं के खाते खोले गए।

3.8 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला योजना के द्वारा धुआं मुक्त जीवन मिला, एलपीजी कनेक्शन का लक्ष्य बढ़ाकर 8 करोड़ किया गया।

12 वर्ष से कम उम्र की बेटियों के साथ दुष्कर्म पर मृत्यु दंड का प्रावधान और 16 से 20 वर्ष की बेटियों के साथ दुष्कर्म पर 10-20 साल की सजा का प्रावधान।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 7.25 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। 3.6 लाख से अधिक गाँव और 17 राज्यों को खुले में शौच से मुक्त किया गया।

दुनिया देख रही है एक न्यू इंडिया

इतिहास में पहली बार भारत ने दिलेरी दिखाते हुए सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया।

भारत बना विकास का वैश्विक केंद्र।

पूरे विश्व ने योग को उत्साह से जीवन में अपनाया।

जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में भारत की मुख्य भूमिका।

इसरो ने एक साथ 104 सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक लॉन्च कर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

davp22112/13/0001/1819

साफ नीयत सही विकास

देश का बढ़ता जाता विश्वास...

अधिक जानकारी के लिए 48months.mygov.in पर जाएं

भाषा के विकास से ही मनुष्य की सभ्यता और संस्क्रति की पहचान होती है : संत ओम प्रकाश शास्त्री जी

यह कथन ,प्रेम प्रकाश आश्रम वैशाली नगर अजमेर के संत श्री ओम प्रकाश शास्त्री जी ने पूज्य सिंधी पंचायत संस्था,पंचशील नगर अजमेर व भारतीय सिंधु सभा के संयुक्त तत्वावधान मे ,सिंधु भवन,पंचशील नगर मे,आज दि. 3.6.18(रविवार) को दुसरे (2)बाल संस्कार शिविर का शुभारम्भ के मौके पर कही , जिसमे संत साई ओम प्रकाश शास्त्रीजी के साथ नरेश रावलानी,महेंद्र तिर्थाणी,मोहन चेलानी श्रीचंद मोतियानीजी द्वारा पवित्र ज्योत प्रज्ोवल्लित कर शिविर का शुभारम्भ किया गया !

यह शिविर 10.6.18 रविवार तक होगा जिसमे सिंधी भाषा ,श्रीमती मंजू लालवानी जी द्वारा, ,सिंधी गीत पर न्रत्य ,श्रीमती पूजा तौलानी जी द्वारा,योगासन श्री दौलत राम थदानी जी द्वारा,मेहंदी रचना,श्रीमती लता भारद्वाज,ठोलक वादन,श्री लवी भारद्वाज,सिंधी गीत गायकी,श्री होत चंद मोरयानी जी व धनश्याम भगत और सिंध के संत महात्माओ के जीवन दर्शन की जानकारी श्री संतोष टेवानी जी द्वारा बालक बालिकाओ को दी जा रही है

यह पुर्णतय से निशुल्क बाल संस्कार शिविर है जिसमे संस्था द्वारा बालक बालिकाओ के लिये सिंधी व्यंजनो व सिंध के परिधान,रहन सहन की भी जानकारी दी जा रही है पंचशील व आस पास के क्षेत्र के सिंधी परिवारो से इस शिविर के प्रथम दिन 75 से अधिक संख्या बच्चो ने भागिदारी सुनिशिचत की और नई पीढ़ी तक सिंधी भाषा ,संस्क्रति,सभ्यता व खान-पान की जानकारी पहुंच सके यह संस्था द्वारा विभिन्न आयोजनो से सुनिशिचत किया है

इस शिविर मे भाग लेने के लिये सिंधी परिवारो के बालक बालिकाओ के साथ साथ अन्य वर्ग के भी बच्चो मे भी बहुत उत्तसाह देखने को मिल रहा है

इस कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संस्था के अध्यक्ष श्री राधा किशन आहूजा ,महासचिव नरेश रावलानी के साथ सर्वश्री मोहन चेलानी,श्रीचंद मोतियानी,गोपाल लखयानी,होतचंद लालवानी,मुकेश आहूजा,टेकचंद गोदवानी,श्याम कल्याणी,संतोष टेवानी,कमल मोतियानी,मंजू लालवानी,पूजा तोलवानी,अनिता अलवानी,लता भारद्वाज,आदि ने सहयोग दिया

65 साल के विवाद में पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति और उत्तर कोरियाई तानाशाह मिले

डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग-उन के बीच मंगलवार को पहली बार यहां के कापेला होटल में मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से करीब 12 सेकंड तक हाथ मिलाया। इसके लिए 6 महीने से कोशिशें हो रही थीं। बीच में कई बार ऐसा लगा कि दोनों नेता शायद ही आमने-सामने आएं। ट्रम्प ने एक बार मुलाकात रद्द भी कर दी थी, लेकिन किम ने उम्मीद नहीं छोड़ी। अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहॉवर (1953) से लेकर बराक ओबामा (2016) तक 11 अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने उत्तर कोरिया का मसला सुलझाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। वहीं, ट्रम्प का कहना है कि वे पहले मिनट में किम के हाव-भाव देखकर बता देंगे कि समिट कारगर होगी या नहीं।

सिंगापुर को इसलिए चुना क्योंकि इसके दोनों देशों से बेहतर रिश्ते

- दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच पन्मुंजोम गांव में डिमिलिट्राइज्ड जोन (असैन्य क्षेत्र) हैं। पहले यहीं दोनों नेताओं के बीच मिलने की खबर थी, लेकिन अमेरिकी अफसर सुरक्षा कारणों से राजी नहीं हुए। तब ऐसी जगह पर विचार किया गया जो दोनों देशों के लिए भरोसेमंद रहे। तब सिंगापुर का नाम आया। इसकी वजह यह कि इस देश के अमेरिका और उत्तर कोरिया से बेहतर रिश्ते हैं।
- सिंगापुर में उत्तर कोरिया का दूतावास भी है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच अच्छे कारोबारी संबंध भी हैं। यहां विरोध-प्रदर्शन की भी मनाही है।

बातचीत पर दुनिया की नजरें क्यों हैं?

- ट्रम्प के सत्ता में आए तो तब अमेरिका और उत्तर कोरिया के रिश्ते काफी बिगड़े हुए थे। उत्तर कोरिया लगातार परमाणु परीक्षण कर रहा था। जंग तक की नौबत आ गई थी।
- जनवरी 2018 में नई शुरुआत हुई। उत्तर कोरिया ने शांति की पहल की। मार्च में दक्षिण कोरिया ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और एक अन्य अफसर को उत्तर कोरिया भेजा। बाद में दोनों अफसर उत्तर कोरिया की ट्रम्प से बातचीत की पेशकश लेकर अमेरिका गए। ट्रम्प राजी भी हो गए। लेकिन, बीच में तल्खी आ गई। तब दुनिया को लगा कि अब बात नहीं बनने वाली। लेकिन 1 जून को व्हाइट हाउस ने फिर से दोनों नेताओं के बीच होने वाली बैठक की पुष्टि कर दी।
- माना जा रहा है कि किम ने परमाणु कार्यक्रम बंद करने का फैसला सोच समझकर लिया है। ताकि उत्तर कोरिया से प्रतिबंध हट सकें और वहां की इकोनॉमी बेहतर हो सके।

माइक पोम्पियो: अमेरिकी रक्षामंत्री और ट्रम्प के करीबी। अपनी नियुक्ति के बाद से ही किम और ट्रम्प की मुलाकात में अहम भूमिका निभा रहे हैं। तीन बार प्योंग्यांग का दौरा कर चुके।

टेक्नोलॉजी के विनियोग से बनाएंगे भ्रष्टाचार मुक्त गुजरातः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के विनियोग से लोक-केंद्रित सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन बनाकर तथा कानून में सुधार के जरिए भ्रष्टाचार मुक्त गुजरात के निर्माण का संकल्प किया है और राज्य सरकार उस दिशा में आगे बढ़ रही है। रविवार को सूरत में आयोजित एक समारोह में उन्होंने यह बात कही।

इंडिया न्यूज गुजराती और चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वावधान में सूरत के सरसाणा नेशनल कंवेन्शन सेंटर में मुख्यमंत्री ने सूरत की प्रतिष्ठित हस्तियों को 'सूरत ना शिरोमणी' सम्मान से नवाजा। इसके अंतर्गत हीरा उद्योग के अग्रणी गोविंदभाई धोलकिया, सवजीभाई धोलकिया, समाजसेवी और अनाथ बेटियों के पिता तुल्य महेशभाई सवाणी, स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तम कार्य के लिए इंटरनेशनल गोल्ड स्टार अवार्ड विजेता डॉ. प्रफुल्लभाई शिरोया, हाल ही में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल में टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक हासिल करने वाले हरमित देसाई के अलावा शहर के श्रेष्ठी प्रदीप जरीवाला और निलेश मांडलेवाला का अवार्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने रांदेर स्थित इंडिया न्यूज गुजरात के स्टूडियो का उद्घाटन भी किया।

इंडिया न्यूज गुजरात के निदेशक हेली राव के साथ संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात समूचे देश में चर्चा का केंद्र है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी गुजराती हैं। महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल और मोरारजी देसाई जैसे रत्न गुजरात ने देश को दिए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को सरकारी कार्यालयों में धक्के न खाने पड़ें इसके लिए राज्य सरकार पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ टेक्नोलॉजी के उपयोग की दिशा में आगे बढ़ रही है। भवन निर्माण के लिए नक्शों की ऑनलाइन मंजूरी के बाद अब गैर-कृषि (एनए) की भी ऑनलाइन मंजूरी की प्रक्रिया शुरू करने की प्रतिबद्धता उन्होंने व्यक्त की।

वाइब्रेंट समिट को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में श्री रूपाणी ने कहा कि वाइब्रेंट समिट के जरिए गुजरात ने वैश्विक फलक पर अपनी साख स्थापित की है। दुनिया के अनेक देश इस समिट में भागीदार बनते हैं। उन्होंने कहा कि धोलेरा में ५ हजार मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट तैयार हो रहा है। गुजरात ग्रीन एनर्जी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य के करीब १० स्थानों पर समुद्री खारे पानी को मीठा बनाने के डिसेलिनेशन प्लांट स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जनता ने भ्रष्टाचार मुक्त सरकार पर विश्वास जताया है। सरकार की नीयत और निष्ठा पर गुजरात की जनता ने अपना भरोसा व्यक्त किया है।

गुजरात में युवाओं को कौशलवान बनाकर रोजगार उपलब्ध कराने के राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप योजना के तहत गुजरात के एक लाख युवाओं को कौशलवान बनाकर उद्योग और सर्विस सेक्टर में कुशल मानवबल उपलब्ध कराया जाएगा। रोजगार मुहैया कराने में गुजरात अव्वल रहा है। युवाओं को अप्रेंटिसशिप के साथ राज्य सरकार, केंद्र सरकार और उद्योगों की ओर से तीन-तीन हजार रुपए दिए जाएंगे।

हितेश दादवाणी
(MDRT Agent SBI Life Insurance)

- General Insurance
- Life Insurance
- Child Education
- Retirement Planning
- Mutual Fund
- Home Loan
- Business Loan

Growing your dreams

SBI Life INSURANCE
With Us. You're Sure

मो. 7600026137

मालिक - मुद्रक -प्रकाशक-संपादक : रेशमा भागवाणी ने लता ग्राफिक्स-२०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद से प्रिन्टींग कर के २०, सर्जन बंग्लोझ, पार्श्वनाथ टाउनशीप, केनाल के पास, कृष्णनगर, अहमदाबाद-३८२३४६ से प्रकाशित किया